TULSI

- Ocimum is a genus of aromatic annual and perennial herbs and shrubs in the family Lamiaceae, native to the tropical and warm temperate regions of all 6 inhabited continents. The 'Tulsi' plant is an important symbol in the Hindu religious tradition. The name 'Tulsi' connotes "the incomparable one". Tulsi is a venerated plant and Hindus worship it in the morning and evening.
- In the Hindu mythology, Tulsi is very dear to Lord Vishnu. Tulsi is ceremonially married to Lord Vishnu annually on the 11th bright day of the month of Karttika in the lunar calendar. This festival continues for five days and concludes on the full moon day, which falls in mid-October. This ritual, called the 'Tulsi Vivah' inaugurates the annual marriage season in India.
- In Hinduism, it is believed that Placing a Tulsi leaf on the forehead of a dying person provide peace to his soul. This is because Lord Vishnu used to carry a Tulsi leaf on his forehead and this makes the dying person pass away in a pious manner.
- Apart from its religious significance it has great medicinal significance, and is a prime herb in Ayurvedic treatment. Marked by its strong aroma and a stringent taste, Tulsi is a kind of "the elixir of life" as it promotes longevity. The plant's extracts can be used to prevent and cure many illnesses and common ailments like common cold, headaches, stomach disorders, inflammation, heart disease, various forms of poisoning and malaria. In Ayurveda Tulsi is known as the ‘queen of herbs’.
- Tulsi is one of the excellent air-purifying plants. It gives out oxygen for four hours a day along with the formation of nascent oxygen which absorbs harmful gases like carbon dioxide, carbon monoxide and sulfur dioxide from the environment.
- This experimental project was initiated in year 2018, for conservation/ demonstration of Tulsi species. The project has been established on an area of 0.037 hectare, in Forest Research Range Lalkuan. At present Tulsi Block houses 10 species out of which the main species are *Ocimum tenuiflorum, Ocimum kilimandscharicum, Ocimum americanum, Ocimum citriodorum* and *Oregano vulgare*.

तुलसी

- ओसीमम एक सुगंधित और बारहमासी जड़ी बूटियों के परिवार का एक समूह है, जो सभी महाद्वीपों के उष्णकटिबंधीय और गर्म समशीतोष्ण क्षेत्रों की मूल निवासी है। तुलसी का पौधा हिंदू धर्म की धार्मिक परम्पराओं का महत्वपूर्ण प्रतीक है। 'तुलसी' शब्द का अर्थ "अतुलनीय" है। तुलसी एक व्रतधारी पौधा है तथा हिंदू धर्म मे तुलसी की प्रातःकाल और सायंकाल में पूजा की जाती हैं।
- हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु को तुलसी बहुत प्रिय थी। चंद्र कैलेंडर में कार्तिक महीने के ११ वें उज्ज्वल दिन पर तुलसी का विवाह औपचारिक रूप से भगवान विष्णु से किया जाता है। यह त्योहार पांच दिनों तक चलता है और पूर्णिमा के दिन समाप्त होता है जो अक्टूबर के मध्य में आता है। 'तुलसी विवाह' नामक यह अनुष्ठान भारत में वार्षिक विवाह के मौसम का उद्घाटन करता है।
- हिंदू धर्म में यह माना जाता है कि मरने वाले व्यक्ति के माथे पर तुलसी का पत्ता रखने से उसकी आत्मा को शांति मिलती है। इसके पीछे का कारण यह है कि भगवान विष्णु अपने माथे को तुलसी के पत्तों से सृजित करते थे और यह माना जाता है की इससे मरने वाले व्यक्ति की पवित्र रूप से मृत्यु होती है।
- धार्मिक महत्व के अलावा तुलसी का औषधीय महत्व भी है, और आयुर्वेदिक उपचार में यह एक प्रमुख जड़ी बूटी है। इसकी मजबूत सुगंध और कड़े स्वाद के कारण तुलसी को "जीवन का अमृत" भी कहा जाता है क्योंकि यह दीर्घायु को बढ़ावा देता है। तुलसी के अर्क का उपयोग कई बीमारियों जैसे सामान्य सर्दी, सिरदर्द, पेट की बीमारियों, सूजन, हृदय रोग, विभिन्न प्रकार के विषाक्तता और मलेरिया को रोकने तथा ठीक करने के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में तुलसी 'जड़ी-बूटियों की रानी' के रूप में विख्यात है।
- तुलसी उत्कृष्ट वायु-शुद्ध करने वाले पौधों में से एक है। यह दिन में चार घंटे ऑक्सीजन प्रवाहित करने के साथ ही नवजात ऑक्सीजन का निर्माण भी करती है जो पर्यावरण से कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों को अवशोषित करती है।
- तुलसी पौधों की प्रजातियों के संरक्षण / प्रदर्शन के लिए २०१८ में इस परियोजना को प्रारम्भ किया गया था। इस परियोजना को लालकुआं स्थित वन अनुसंधान रेंज के ०.०३७ हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्थापित किया गया है वर्तमान में तुलसी की १० प्रजातियां हैं जिनमें पूजा तुलसी, वन तुलसी, कपूर तुलसी, नींबू तुलसी तथा बद्री तुलसी मुख्य प्रजातियां हैं।